

कक्षा - 9

हिंदी (आलोक)

अध्याय – 1

हिम्मत और जिंदगी

(रामधारी सिंह 'दिनकर' (1908-1974))

भाग – 4

अभ्यास-माला

कीर्ति बसुमतारी

(ई) सप्रसंग व्याख्या करो (लगभग 100 शब्दों में) :

(क) साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढ़ता है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ई) सप्रसंग व्याख्या करो (लगभग 100 शब्दों में) :

(क) साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढ़ता है।

उत्तर : संदर्भः प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी हिंदी पाठ्यपुस्तक आलोक भाग-1 के अंतर्गत रामधारी सिंह दिनकर जी द्वारा रचित निबंध 'हिम्मत और जिंदगी' से लिया गया है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

व्याख्याः प्रस्तुत अवतरण द्वारा रामधारी सिंह 'दिनकर' जी साहसी मनुष्य के बारे में बताते हुए कहा कि साहस की जिंदगी सबसे बड़ी जिंदगी होती है। इस जिंदगी की पहचान यह है कि वह बिल्कुल निडर होती है। वे जनमत की अपेक्षा करके जीते है। उनलोगो मे असली ताकत होती हैं। अडोस - पड़ोस को देखकर चलना, यह साधारण जीव का काम है। साहसी मनुष्य उन सपनो में भी रस लेता है, जिन सपनो का कोई व्यावहारिक अर्थ नही है। इसलिए साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढते हैं।

(ख) कामना का अंचल छोटा मत करो, जिंदगी के फल को दोनों हाथों से दबाकर निचोड़ो।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) कामना का अंचल छोटा मत करो, जिंदगी के फल को दोनों हाथों से दबाकर निचोड़ो।

उत्तर : संदर्भः प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी हिंदी पाठ्यपुस्तक आलोक भाग-1 के अंतर्गत रामधारी सिंह दिनकर जी द्वारा रचित निबंध 'हिम्मत और जिंदगी' से लिया गया है।

व्याख्या: लेखक ने कहा है कि कामना का आंचल यानी पाने की इच्छा को कभी छोटा नहीं करना चाहिए। सभी कामों में पाने की चाहत रखनी चाहिए और जिंदगी में जो भी फल मिलेगा उसे अपने दोनों हाथों से बटोर लेना चाहिए।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अतः हमें साहस और परिश्रम के बल पर अपने कर्मों के फलों को भोग करना चाहिए। न कि सपनों के दुनियाँ में रहकर पहले फल की आशा करनी चाहिए। परिश्रम करने के बाद ही फल की चिंता करनी चाहिए। इसीलिए कवि ने कहा है कि साहस और परिश्रम से हमने जो भी फल हासिल किए हैं उन फूलों को अपने दोनों हाथों से जितना निचोड़ेंगे उस का रस उतना ही बहेगा अर्थात कर्म का फल उतना ही मीठा होगा।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca Foundation

भाषा और व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ो–

(क) भोजन का असली स्वाद उसको मिलता है, जो कुछ दिन बिना खाए भी रह सकता है।

(ख) लहरों में तैरने का जिन्हें अभ्यास है, वे मोती लेकर बाहर आएँगे।

(ग) जो सुखों का मूल्य पहले चुकाते हैं उन्हें स्वाद अधिक मिलता है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

इन वाक्यों में मोटे छपे शब्द 'उसको', 'जो', 'जिन्हें', 'वे' और 'उन्हें' संबंधवाचक सर्वनाम हैं क्योंकि वाक्यों में इनका परस्पर संबंध है। संबंधवाचक सर्वनामों का प्रयोग करते हुए कोई अन्य पाँच वाक्य बनाओ।



इन वाक्यों में मोटे छपे शब्द 'उसको', 'जो', 'जिन्हें', 'वे' और 'उन्हें' संबंधवाचक सर्वनाम हैं क्योंकि वाक्यों में इनका परस्पर संबंध है। संबंधवाचक सर्वनामों का प्रयोग करते हुए कोई अन्य पाँच वाक्य बनाओ।

उत्तर : सर्वनाम वे शब्द हैं जो संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं। इनके प्रयोग से भाषा सरल, सुगम और पुनरावृत्ति-रहित बनती है। सर्वनाम के कई प्रकार है ।

उनमे से एक है संबंधवाचक सर्वनाम - (वे सर्वनाम जो वाक्य में दो उपवाक्यों को जोड़ते हैं और किसी संज्ञा/सर्वनाम के बारे में अतिरिक्त जानकारी देते हैं, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं।)

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

I. सफलता उसी को मिलती है जिसने कभी हार नहीं मानी।

II. जो संकटो का सामना करता है, वही सफल होता है।

III. लहरों में तैरने का जिन्हें अभ्यास है, वे मोती लेकर बाहर आएँगे।

IV. जिनका कंठ सुखा हुआ है, उन्हे पानी का स्वाद अधिक मिलता है।

V. जिंदगी से हमे जो भी फल मिलता है उसे हमे अपने हाथों से बटोर लेना चाहिए।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. इस पाठ में अरबी-फारसी के अनेक शब्द आए हैं, जैसे मजा, जिंदगी। इनके हिंदी रूप हैं- आनंद, जीवन। यहाँ कुछ हिंदी शब्द दिए जा रहे हैं। पाठ में से उनके अरबी-फारसी रूप चुनकर लिखो :

भय, सुगंधित, अनुभव, विशेषता, अंतर, वास्तविक, प्रयास, आवश्यकता।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

उत्तर:

I. भय – खौफ, खतरा।

II. सुगंधित – खुशबूदार।

III. अनुभव - महसुस ।

IV. विशेषता – सिफत ।

V. अंतर - दिल।

VI. वास्तविक - अस्लीयत।

VII. प्रयास – कोशिश।

VIII. आवश्यकता - जरुरतमंद।